

10/07/19

वकील प्रविवानी ने प्रविवानी से रिया
 उ की मृत्यु होने के कारण दावा
 अवेर करने का प्रार्थना पत्र 16.8.18
 को लगाया गया उसका आज दिनांक
 तक वकील दावा हादा कोई जवाब
 पेश नहीं किया गया है जबकि
 वकील दावा का कहना है कि उनको
 हादा अवलपत्र पूर्व में ही पेश कर दिया
 गया। उन्होंने आज जवाब की एक प्रार्थना
 पत्रावली में पेश की गई जिसे हादा
 प्रार्थनावली किया गया तथा एक प्रति प्रविवानी
 के वकील को उपलब्ध करायी गयी।
 वकील दावा को प्रविवानी हादा
 प्रार्थना पत्र CPC 6-17 के कारण
 की मृत्यु के उपरान्त प्रविवानी
 की मृत्यु की उपरान्त उसके दिवा
 पर नहीं किया जाये पर दावा अवेर
 करने का प्रार्थना पत्र पर अवेर
 की गई अवेर पूर्व होने के
 पश्चात् प्रार्थनावली वास्तविक
 प्रार्थना पत्र दिनांक 18-12-19
 को पेश हो। उक्ति

वकील 11/12

वकील 19

वकील

वकील

वकील

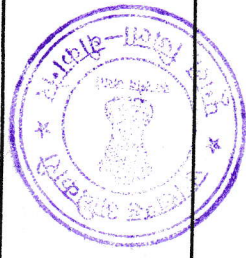
उपे-3

ky

प्रार्थनावली पेश हुई, प्रार्थनावली में दिनांक
 11.12.2018 का वादीगण की ओर से
 दिनांक 13.11.14 को प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत
 आइटम 6 रूल 17 एवं धारा 151 CPC व
 प्रविवानी सं 3 ~~की मृत्यु होने के कारण~~
~~वकील को अवेर दिनांक के वादिलान में~~
 ओर से दिनांक 16.8.18 को प्रविवानी सं 3
 की मृत्यु होने के कारण वादपत्र को अवेर
 किये जाने का कारण प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर
 उभय पक्षों की सहस्र पुनी जा चुकी है।
 वकील वादीगण ने आइटम 6 रूल 17 CPC



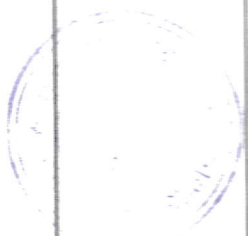
अधिकारी



1. प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में
शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।
 2. शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।
 3. शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।
 4. शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।
 5. शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।
 6. शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।
 7. शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।
 8. शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।
 9. शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।
 10. शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति
 के संबंध में।

क्र. सं.	विषय या कार्यवाही मध्य शिक्षण विभाग	दिनांक
----------	-------------------------------------	--------

केन्द्र भाग 13 चकक जाल में होना
 कलम है तथा इसी खसरा नं. 1345/662/
 43 की 50 बीघा ^{हीघा} जाल खसरा नं. 43/4
 व 43/5 की 50 ^{हीघा} भूमि बाकत वादपत्र के
 पृष्ठ सं 3 के अनुलोष के पैरा सं 1 में
 अनुलोष चाहा गया है। इस प्रकार वारीगण
 हात मूल खसरा नम्बर 1345/662/43
 के आधारे पर वादपत्र में अनुलोष चाहा
 है लकार वारीगण हात प्रस्तुत ^{रजिस्ट्रार}
 बेनाम दिनांक 27-1-1980 में मूल 141
 पुत्र मोतीराम हात जाम भानीपुरा के
 खसरा नं. 1349/662/43 की 50 बीघा
 भूमि वारीगण को विजय सिमा जान
 भूमि है जिलका नामान्तरण करवा सं
 121 दिनांक 15.11.80 को वारीगण के
 नाम से जाम भानीपुरा के खसरा नं.
 1349/662/43 की 50 बीघा भूमि का
 रसीद नुमा है तथा खसरा रजिस्ट्रार में
 उक्त खसरा की भूमि वारीगण के नाम
 से रजिस्ट्रार है तथा बेनाम दिनांक 27/1/80
 में जमा नम्बों में वारीगण की रसीदपुरा
 भूमि खसरा नं. 1349/662/43 की स्पष्ट
 कप ले रखायी गई है परंतु वारीगण ने
 उक्त मसलपूरी दफतावेज में स्पष्ट कप
 ले रजिस्ट्रार खसरा नं. को अमित कर ^{मसलपूरी}
 मसलपूरी व गलत रंग ले वादपत्र के अतिरिक्त
 कलम 17 CPC के प्रावित्रा पर के लिये
 दुरुस्ती/लेशोधन की मांग की है लकार
 वारीगण ने विवेक से भूमि खसरा नं.
 1349/662/43 की भूमि इयसी है जो
 रजिस्ट्रार बेनाम, 5-11 काल सं 121 व
 नम्बों में स्पष्ट है तो जिल वादपत्र में खसरा
 नम्बर 1345/662/43 की भूमि ले खसरा



[Handwritten signature]

नं० ५३/५ व ५३/५ की भूमि के स्थान पर संशोधन किये जाने का क्या औचित्य है एवं वादीगणों के द्वारा यदि उनकी भूमि खरीदा न.

1345/662/43 की भूमि होना माना गया है जो उसे सर्वप्रथम अपने पक्ष में कुछ रजिस्टर्ड करना का जो तुलना/संशोधित करवाना चाहिए था तथा उसके पश्चात्

बाका पेश किया जाना था क्योंकि वादीगणों ने जब दिनांक 2-7-1988 को भूमि खप की है उसके भूमि में नम्बरो में भूमि खरीदा

नं० 1349/662/43 की भूमि अंकित है तथा उसके दक्षिण दिशा में 1347/661/43 की भूमि खरीदी हुई है जो वर्तमान में

नम्बरो में भी 1349/662/43 के स्थान पर 43/1 व उसके दक्षिण में खरीदा नं० 1347/662/43 के स्थान पर 43/4 व 43/5 की

भूमि खरीदी हुई है जिसमें स्पष्ट है कि खरीदा नं० 43/4 व 43/5 की भूमि प्रतिवर्ष गणों की खरीदखुद खाने वाली भूमि है तथा

उक्त भूमि में वादीगणों का कोई लोहा या नहीं है ऐसी स्थिति में वादीगणों/प्राचीनगणों की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र आर्डर क्र० 17 एवं धारा 151 CPC का आद्यादीन गत

व वर्तमान वगैरे प्रस्तुत किये जाने के कारण निरस्त किया जाता है।

प्रतिवादी सं० 3 के वादी लाल की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र दिनांक 10.8.2018 काबल प्रतिवादी सं० 3 की मृत्यु होने के कारण बादपत्र अर्बट किये जाने पर

प्रार्थना पत्र, लवाब प्रार्थना पत्र, व पत्रावली का अर्बट करने से स्पष्ट है कि प्रतिवादी सं० 3 की मृत्यु दिनांक 13.4.2008 को होने के पश्चात् वादीगणों



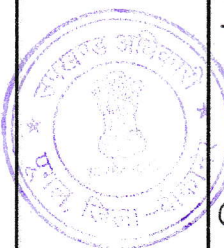
Handwritten signature and official stamp of the court.

तारीक
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील में
जारी हुए

ही मोर हे उसके वारिलान को रिहाई पर
लेने की कार्यवाही नहीं किये जाने से
वाक्य भेद है चुका है, वहीगठ ने
अपने जवाब में प्रतिवादी सं 3 की
मृत्यु से अनभिज्ञ होना अंकित किया है
जबकि प्रतिवादी सं 3 के वारिलान ही
ओर से दिनांक 16.8.2018 को पानि
पत्र प्रस्तुत किये जाने के पश्चात भी
वादीगठ ने स्पष्ट जानकारी के पश्चात
जानकारी के आलाप पर भी वारिलान
को रिहाई पर लेने की कार्यवाही नहीं
की है तथा यह न्याय व कानून का
सुस्थापित सिद्धांत है कि मृत्यु के
बिना कोई कार्यवाही नहीं चल सकती
ऐसी स्थिति में वादीगठ का वाक्य
उपरोक्त वर्णित विवेचना के आधार
पर चलने योग्य नहीं होने के कारण
निरस्तकवीय है अतः वाक्य वादी
भेद होने के कारण रवाहीज रिजा
जाला है। निर्णय आज दिनांक 18/12/2019
को सुनने के न्यायालय में सुनाया जाता है।
पत्रावली नकार से अफ भी जा कर
दफतर चालीन है।



Oh
उपखण्ड अधिकारी
पुंगल, जिला-बीकानेर

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील में
जारी हुए

ही मोर हे उसके वारिदान को रिमांड पर
लेने ही कार्यवाही नहीं किये जाने से
वाट पर भेद है चुका है, वहीगठ ने
अपने जवाब में प्रतिवादी सं 3 की
मृत्यु से अनभिज्ञ होना अंकित किया है
जबकि प्रतिवादी सं 3 के वारिदान ही
मोर से दिनांक 16.8.2018 को पारिना
पत्र प्रस्तुत किये जाने के पश्चात भी
वादीगठ ने स्पष्ट जानकारी के पश्चात
जानकारी के आवाज पर भी वारिदान
को रिमांड पर लेने ही कार्यवाही नहीं
की है तथा यह न्याय व कानून का
सुस्थापित सिद्धांत है कि हत्यारे के
विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं चल सकती
लेखी दिवस में वादीगठ का वाटपर
उपरोक्त वर्णित विवेचना के आधार
पर चलने योग्य नहीं होने के कारण
निरस्तकलीय है अतः वाटपर वादी
मोरेट होने के कारण खारिज किया
जाता है। निर्णय आज दिनांक 18/12/2019
को सुनने व न्यायालय में सुनाया जाता है।
पत्रावली नकार हे कम ही जा कर
दफतर लक्षित है।



Oh
उपखण्ड अधिकारी
पूगल, जिला-बीकानेर